Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Answer Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J–7306

PAPER–II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम्—IIप्रश्नपत्र—II

PAPER—II

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत्** (50) बहुविकल्पीयप्रश्नाः सन्ति। तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम्। **सर्वे** प्रश्नाः उत्तरणीयाः।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

1. सूर्यस्योच्च राशिरस्ति।

सूर्य की उच्च राशि है।

The उच्च राशि of सूर्य is :

(A) मेषः (B) वृषः

(C) मिथुनः (D) कर्कः

2. विंशोत्तरी दशायां वर्षाणि भवन्ति।

विंशोत्तरी दशा में वर्ष होते हैं।

In the case of विंशोत्तरीदशा the number of years is :

(A) 36 (B) 100

(C) 108 (D) 120

3. गुरुः पश्यति।

गुरु देखता है।

गुरु expects on :

(A) तृतीयं दशमञ्च स्थानम्। (B) चतुर्थंमस्टमञ्च स्थानम्।

(C) पंचमं नवमञ्च स्थानम्। (D) लग्न स्थानम्।

4. दिनरात्रिमाने समाने भवत:

दिन और रात्रि का मान समान होता है

The duration of day and night is equal in :

(A) अयनदिने। (B) विषुवद्दिने।

(C) संक्रान्तौ। (D) पूर्णिमायाम्।

5. अस्य कक्षा ग्रहेषु सर्वोपरि वर्त्तते

ग्रहों में इसकी कक्षा सर्वोपरि है

The कक्षा of this planet remains above all :

(A) बुधस्य (B) बृहस्पते:

(C) शुक्रस्य (D) शनैश्चरस्य

6. चन्द्रग्रहणं सम्भाव्यते।

चन्द्रग्रहण पड़ता है

Lunar eclipse occurs in :

(A) अमायाम्। (B) पूर्णियाम्।

(C) संक्रान्तौ। (D) पूर्णिमायां शराभावे।

7. लाकृतिरित्यत्र सन्धिविधायकं सूत्रम् भवति

लाकृति: इस में सन्धिविधायक सूत्र है

In लाकृति: the rule prescribing सन्धि is :

(A) वृद्धिरेचि (B) इको यणचि

(C) उरण् रपर: (D) आद्गुण:

8. 'द्वित्राः' इति भवत्युदाहरणम्

'द्वित्राः' इसका उदाहरण है

'द्वित्राः' is an example of :

(A) कर्मधारयस्य (B) बहुव्रीहेः

(C) द्वन्द्वस्य (D) अव्ययीभावस्य

9. 'अग्निमान् धूमात्' इत्यत्र पञ्चमीविधायकं सूत्रम् अस्ति

'अग्निमान् धूमात्' इस में पञ्चमीविधायक सूत्र है

In 'अग्निमान् धूमात्' the rule prescribing पञ्चमी is :

(A) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम् (B) हेतौ

(C) ध्रुवमपायेऽपादानम् (D) पञ्चमी विभक्ते

10. नव्यन्याये प्रमाणानि स्वीक्रियन्ते

नव्यन्याय में प्रमाण माने जाते हैं

In नव्यन्याय the number of प्रमाण s is :

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) षट् (D) अष्ट

11. न्यायदर्शने गुणाः सन्ति

न्यायदर्शन में गुण होते हैं

In न्यायदर्शन the number of गुण s is :

(A) त्रयः (B) अष्टौ

(C) षोडश (D) चतुर्विंशतिः

12. न्यायदर्शने पदार्था: सन्ति

न्यायदर्शन में पदार्थ होते हैं

In न्यायदर्शन the number of पदार्थ s is :

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) अष्टौ (D) दश

13. न्यायदर्शनस्य सिद्धान्तोऽस्ति

न्यायदर्शन का सिद्धान्त है

This is a doctrine of the न्यायदर्शन :

(A) प्रधानकारणवाद: (B) सत्कार्यवाद:

(C) परमाणुकारणवाद: (D) ब्रह्मकारणवाद:

14. मीमांसासूत्रस्य कर्ता अस्ति

मीमांसा सूत्र का कर्ता है

The author of the मीमांसासूत्र is :

(A) जैमिनि: (B) बादरायण:

(C) गौतम: (D) कपिल:

15. मीमांसासूत्रस्य भाष्यकारोऽस्ति

मीमांसासूत्र का भाष्यकार है

The author of the commentary on मीमांसासूत्र is :

(A) शङ्कराचार्य: (B) वात्स्यायन:

(C) रामानन्दाचार्य: (D) शबरस्वामी

16. मीमांसासम्मतं धर्मलक्षणम् अस्ति

मीमांसा के अनुसार धर्म का लक्षण है

The definition of धर्म according to मीमांसा is :

(A) धारणाद्धर्मः (B) अहिंसा परमो धर्मः

(C) चोदनालक्षणोऽर्थो धर्मः (D) दशकं धर्मलक्षणम्

17. लौगाक्षि भास्करः कर्ता अस्ति

लौगाक्षि भास्कर कर्ता है

लौगाक्षि भास्कर is the author of :

(A) मीमांसान्यायप्रकाशस्य (B) अर्थसंग्रहस्त

(C) जैमिनीयन्यायमालायाः (D) मीमांसापरिभाषायाः

18. सांख्यदर्शने जगत्कारणं भवति

संख्यदर्शन में जगत्कारण होता है

According to the संख्य, the cause of जगत् is :

(A) ब्रह्म (B) माया

(C) प्रधानम् (D) ईश्वरः

19. सांख्यमते गुणाः भवन्ति

सांख्यमत के अनुसार गुण होते हैं

In the सांख्य view the nubmer of गुण s is :

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) पञ्च (D) दश

20. योगदर्शने ईश्वरोऽस्ति

योगदर्शन में ईश्वर है

ईश्वर in योगदर्शन is :

(A) जगत्कर्ता (B) पुरुषविशेषः

(C) प्रकृतेः परिणामः (D) ब्रह्मस्वरूपः

21. योग दर्शनस्य प्रवर्तकोऽस्ति

योगदर्शन का प्रवर्तक है

The propounder of योगदर्शन is :

(A) कपिलः (B) पतञ्जलिः

(C) जैमिनिः (D) व्यासः

22. ऋग्वेदे मण्डलानि सन्ति

ऋग्वेद में मण्डल होते हैं

The nubmer of Mandalas in the ऋग्वेद is :

(A) पञ्च (B) अष्ट

(C) दश (D) द्वादश

23. चार्वाकाणां मते इदमेकमेव प्रमाणम्

चार्वाक मन में यह एक प्रमाण है

According to the Cārvākas, this is the only प्रमाण :

(A) अनुमानम् (B) प्रत्यक्षम्

(C) उपमानम् (D) अर्थापत्तिः

24. भाट्टमीमांसकमते प्रमाणानि सन्ति

भाट्टमीमांसक मत में प्रमाण होते हैं

According to भाट्ट मीमांसक s the number of प्रमाण s is :

(A) नव (B) त्रीणि

(C) चत्वारि (D) षट्

25. अस्मिन् मते ब्रह्म केवलं निमित्तकारणं भवति

इस मत में ब्रह्म केवल निमित्तकारण है

According to this view, Brahman is only an instrumental cause :

(A) अद्वैतवेदान्ते (B) माध्ववेदान्ते

(C) विशिष्टाद्वैतवेदान्ते (D) शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्ते

26. शुक्लयजुर्वेदस्य शाखा भवति

शुक्लयजुर्वेद की शाखा होती है

This is a शाखा of शुक्लयजुर्वेद :

(A) तैत्तिरीया (B) माध्यन्दिनी

(C) शाकलीय (D) शौनकीय

27. शुक्लयजुर्वेदसंहिताया नामान्तरम् अस्ति

शुक्लयजुर्वेदसंहिता का नामान्तर होता है

The other name of शुक्लयजुर्वेदसंहिता is :

(A) कठसंहिता (B) शाकलसंहिता

(C) वाजसनेयी संहिता (D) मैत्रायणी संहिता

28. माध्यन्दिनसंहिताया: अध्याया: सन्ति

माध्यन्दिन संहिता के अध्याय होते है

The number of chapters in the माध्यन्दिनसंहिता is :

(A) षोडश (B) त्रिंशत्

(C) पञ्चत्रिंशत् (D) चत्वारिंशत्

29. द्वैतमते जीवपरमात्मनो: सम्बन्ध: भवति

द्वैतमत में जीव और परमात्मा का सम्बन्ध होता है

The relation between जीव and परमात्मन् in द्वैतमत is :

(A) शेष-शेषिभाव: (B) सेव्यसेवकभाव:

(C) शरीर शरीरिभाव: (D) जन्यजनकभाव:

30. द्वैतमते उपनिषदां तात्पर्यमस्ति।

द्वैतमत में वेदान्तों का तात्पर्य होता है।

The intention of the Upanisads accoridng to द्वैत is :

(A) अद्वितीये ब्रह्मणि (B) सप्रपञ्चे ब्रह्मणि

(C) श्रीमन्नारायणस्य सर्वोत्तमत्वे (D) सोपाधिके ब्रह्मणि

31. द्वैतमते प्रमाणानि सन्ति

द्वैत मत में प्रमाण होते हैं

In Dvaita view, the number of Pramāṇas is :

(A) चत्वारि (B) त्रीणि

(C) पञ्च (D) षट्

32. दायभागे श्रेष्ठभागस्य अधिकारी पुत्रो भवति

दायभाग में श्रेष्ठभाग का अधिकारी पुत्र होता है

In दायभाग, the son who is eligible for the most valuable part is :

(A) कनिष्ठः (B) दत्तकः

(C) मध्यमः (D) ज्योष्ठः

33. धर्मशास्त्रानुसारम् आशौचं विनिवर्तते।

धर्मशास्त्र के अनुसार अशौच नहीं लगता।

According to धर्मशास्त्र, the अशौच discontinues :

(A) पुरुषत्रयान्तरे (B) पञ्चपुरुषानन्तरे

(C) सप्तपुरुषानन्तरे (D) दशपुरुषानन्तरे

34. विवाहप्रकाराः सन्ति।

विवाह के भेद होते हैं।

The kinds of marriages are :

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) षट् (D) अष्टौ

35. मिताक्षरायाः कर्ता अस्ति।

मिताक्षरा का कर्ता है।

The author of मिताक्षरा is :

(A) प्रतापरुद्रदेवः (B) विज्ञानेश्वरः

(C) जीमूतवाहनः (D) मित्रमिश्रः

36. विश्वनाथमते काव्यलक्षणम् अस्ति

विश्वनाथ के मत में काव्यलक्षण होना है

The definition of काव्य according to विश्वनाथ is :

(A) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः

(B) वाक्यं रसात्मकम्

(C) शब्दार्थौ सहितौ

(D) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावलंकृती पुनः क्वापि

37. 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' इति मतम् अस्ति

'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' यह मन होता है

'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' is the view of :

(A) भामहस्य

(B) दण्डिनः

(C) आनन्दवर्धनस्य

(D) वामनस्य

38. इयं लक्षणा रूपकालङ्कारस्य बीजम् अस्ति

यह लक्षणा रूपकालंकार का बीज होता है

This type of लक्षण is the root of रूपकालंकार :

(A) रूढा

(B) प्रयोजनवती

(C) साध्यवसाना

(D) सारोपा

39. अभिनवगुप्तस्य रसवादः कथ्यते

अभिनवगुप्त का रसवाद कहलाता है

The रसवाद of अभिनवगुप्त is known as :

(A) उत्पत्तिवादः (B) अनुमितिवादः

(C) व्यक्तिवादः (D) भुक्तिवादः

40. महापुराणानां संख्या अस्ति।

महापुराणों की संख्या हैं।

The number of महापुराण s is :

(A) अष्टौ (B) दश

(C) अष्टादश (D) पञ्चविंशतिः

41. भगवतः श्रीविष्णोः अवतारा: बभूवुः।

भगवान् विष्णु के अवतार होते हैं।

The number of Visnu's incarnations is :

(A) दश (B) पञ्चदश

(C) अष्टौ (D) अष्टाविंशतिः

42. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' सूक्तिरियं मिलति

'कर्मण्येवाधिकारस्ते' यह उक्ति मिलती है

'कर्मण्येवाधिकारस्ते' - This statement is found in :

(A) श्रीमद्भागवते (B) विष्णुपुराणे

(C) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् (D) वायुपुराणे

43. शाकुन्तलोपाख्यानं मिलत्यत्र

शाकुन्तलोपाख्यान इस में मिलता है

The शकुन्तलोपाख्यान is found in :

(A) श्रीमद्रामायणे

(B) महाभारते

(C) देवीभागवते

(D) अग्निपुराणे

44. पाशाः भवन्ति

पाश होने हैं

The number of पाश s is :

(A) चत्वारः

(B) त्रयः

(C) एकः

(D) द्वौ

45. आगमानुसारेण मुक्तेः स्वरूपम् अस्ति

आगमानुसार मुक्ति का स्वरूप होता है

The nature of मुक्ति according to Āgamas is :

(A) दुःखत्रयस्य आत्यन्तिकनिवृत्तिः

(B) स्वरूपे अवस्थानम्

(C) प्रपत्तिः

(D) सर्वतन्त्रस्वतन्त्रता

46. तन्त्रसारस्य कर्ता अस्ति

तन्त्रसार का कर्ता होता है

The author तन्त्रसार is :

(A) अभिनवगुप्तः

(B) गौतमः

(C) बादरायणः

(D) नारदः

47. अद्वैतवेदान्ते वार्तिककारः अस्ति

अद्वैतवेदान्त में वार्तिककार है

In अद्वैतवेदान्त, the वार्तिककार is :

(A) सुरेश्वराचार्यः

(B) पद्मपादचार्यः

(C) प्रकाशात्मयतिः

(D) मधुसूदनसरस्वती

48. 'ब्रह्मणो जिज्ञासा' इत्यत्र ब्रह्मण इति

'ब्रह्मणो जिज्ञासा' इस में 'ब्रह्मणः' होता है

'ब्रह्मणो जिज्ञासा' - here the 'ब्रह्मणः' is :

(A) कर्तरि षष्ठी

(B) शेषे षष्ठी

(C) अनादरे षष्ठी

(D) कर्मणि षष्ठी

49. पञ्चपादिकायाः कर्ता अस्ति।

पञ्चपादिका का कर्ता है।

The author of पञ्चपादिका is :

(A) पद्मपादः

(B) श्रीशङ्करः

(C) विद्यारण्यः

(D) सुरेश्वरः

50. भामतीप्रस्थानस्य प्रथमोपदेष्टा अस्ति।

भामतीप्रस्थान का प्रथमोपदेष्टा होता है।

The founder of भामतीप्रस्थान is :

(A) श्रीहर्षः

(B) पद्मपादाचार्यः

(C) वाचस्पतिमिश्रः

(D) सदानन्दः

- o O o -

Space For Rough Work